https://www.mgkvponline.com

C

(Printed Pages 4)

Roll No. _____

20/2701

बी.ए. (प्रथम वर्ष) परीक्षा, 2020

हिन्दी

प्रथम प्रश्न-पत्र

(प्राचीन काव्य)

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक** : 100

नोट : **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं। दाहिनी ओर किनारे में दिये हुए अंक पूर्णांक सूचित करते हैं। लघु-उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 200 शब्द तथा दीर्घ-उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द है।

खण्ड - क

(व्याख्यात्मक प्रश्न)

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : $3 \times 10 = 30$

(क) संतौ भाई आई ग्यांन की आँधी रे।
भ्रम की टाटी सभै उड़ांनी माया रहै न बाँधी रे।।
दुचिते की दोइ थूँनि गिरांनी माह बलेंडा टूटा।
त्रिसनां छांनि परी धर ऊपरि दुरमति भांडा फूटा।।
आंधी पाछै जो जल बरसै तिहिं तेरा जन भींनां।
कहै कबीर मनि भया प्रगासा उदै भानु जब चीनां।।

https://www.mgkvponline.com

https://www.mgkvponline.com

(ख) रथ कौ चतुर चलाउणँ हारौ।
षिण हाकै षिण उभौ राषै, नहीं आन को सारौ।।
जब रथ रहै सार ही थाकै, तब को रथ ही चलावै।
नाद बिनोद सबै ही थाकै, मन मङ्गल नहीं गावै।।
पाँच तत कौ यहु रथ साज्यौ, अरध उरध निवासा।
चरण कंवल ल्यो लाइ रह्यौ है, गुन गावै रैदासा।।

(ग) सरवर तीर पदुमिनी आई। खोंपा छोरि केस मोकराईं।
ससि मुख अंग मलैगिरि रानी। नागन्ह झाँपि लीन्ह अरधानी।
ओनए मेघ परी जग छाहाँ। ससि की सरन लीन्ह जनु राहाँ।
छपि गै दिनहि भानु कै दसा। लै निसि नखत चाँद परगसा।
भूलि चकोर दिस्टि तहँ लावा। मेघ घटा महँ चाँद देखावा।

(घ) हमारे हरि हारिल की लकरी।
मन बच क्रम नँदनंदन सों उर, यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत सपने सौंतुख कान्ह कान्ह जकरी।
सुनतहिं जोग लगत ऐसो अलि ज्यों करूई ककरी।
सोई ब्याधि हमैं लै आए देखी सुनी करी।
यह तो सूर तिन्हैं लै दीजै जिनके मन चकरी।।

(ङ) ऐसो को उदार जग माहीं ?
बिनु सेवा जो द्रवै दीन पर राम सरिस कोउ नाहीं।।
जो गति जोग बिराग जतन करि नहिं पावत मुनि ग्यानी।
सो गति देत गीध सबरी कहँ प्रभु न बहुत जिय जानी।।
जो संपति दस सीस अरप करि रावन सिव पहँ लीन्हीं।
सो संपदा बिभीषन कहँ अति सकुच-सहित हरि दीन्हीं।।
तुलसिदास सब भाँति सकल सुख जो चाहसि मन मेरो।
तौ भजु राम, काम सब पूरन करैं कृपानिधि तेरो।।

https://www.mgkvponline.com

https://www.mgkvponline.com

(च) हीन भये जल मीन अधीन,
कहा कछु मो अकुलानि समानै।
नीर सनेही कों लाय कलंक,
निशान ह्वै कायर त्यागत प्रानै।
प्रीत की रीति सुक्यौं समुझे,
जड़ मीत के पानि परे को प्रमानै।
या मन कीजु दसा घनआनँद,
जीनकी जीवनि जानही जानै।।

(छ) इंद्र जिमि जंभ पर बाड़व ज्यौं अंभ पर,
रावन सदंभ पर रघुकुलराज है।
पौन बारिबाह पर संभु रतिनाह पर,
ज्यौं सहस्रबाहु पर राम द्विजराज है।
दावा द्रुमदंड पर चीता मृगझुंड पर,
भूषन बितुंड पर जैसे मृगराज है।
तेज तम-अंस पर कान्ह जिमि कंस पर,
यौं मलेच्छ-बंस पर सेर सिवराज है।।

खण्ड - ख

(निबन्धात्मक प्रश्न)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए: $2 \times 20 = 40$

(क) कबीर की भक्ति भावना पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिये।

(ख) रैदास की सामाजिक चेतना की समीक्षा कीजिए।

(ग) पद्मावत के मानसरोदक खण्ड की समीक्षा कीजिये।

(घ) "सूरदास का वात्सल्य वर्णन हिन्दी साहित्य की अमूल्य निधि है" कथन की समीक्षा कीजिए।

https://www.mgkvponline.com

https://www.mgkvponline.com

(ङ) तुलसी के काव्य में लोकमंगल को स्पष्ट कीजिए।

(च) बिहारी के शृंगार वर्णन की विशेषताओं को उद्घाटित कीजिए।

(छ) "घनानन्द मुख्य रूप से विरह के कवि हैं।" सोदाहरण विवेचना कीजिए।

(ज) "भूषण वीर रस के कवि हैं" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

खण्ड - ग

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए- $5 \times 6 = 30$

(क) उपमा अथवा अतिशयोक्ति अलंकार की परिभाषा सोदाहरण दीजिए।

(ख) यमक और श्लेष अलंकार में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(ग) वीभत्स रस किसे कहते हैं? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिये।

(घ) घनानन्द की भाषा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(ङ) बीजक

(च) विनय पत्रिका

(छ) रैदास की भक्ति भावना

(ज) बिहारी के दोहों की विशेषतायें

(झ) अभिधा शब्द शक्ति का उदाहरण सहित उल्लेख कीजिए।

(ञ) दोहा अथवा चौपाई में से किसी एक पर सोदाहरण प्रकाश डालिये।

https://www.mgkvponline.com

https://www.mgkvponline.com